बुंदेलखंड बनेगा नया पावर हाउस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **बुंदेलखंड में 10** सौर ऊर्जा **परियोजनाएँ शुरू की गई हैं**, जिनसे **3,000 मेगावाट से अधिक विद्युत उत्पन्न** होगी। यह पूरा क्षेत्र **उत्तर प्रदेश का नया ऊर्जा केंद्र** बनने के लिये तैयार है।

मुख्य बिंदु:

- सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र **बुंदेलखंड के जालौन, झाँसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट तथा महोबा ज़िलों** में स्थापित किये जायेंगे। अकेले झाँसी ज़िले में तीन सौर ऊर्जा इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं।
- परियोजनाएँ हैं:
  - **झाँसी ज़िले में** टस्को द्वारा 3,430 करोड़ रुपए की लागत से 600 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिससे 300 रोज़गार सृजन के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।
    - फोर्थ पार्टनर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड 1,200 करोड़ रुपए में 100 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापित करेगा, जिससे 1,000 से अधिक रोज़गार सृजन के अवसर जुड़ेंगे।
    - सन सोर्स एनर्जी 600 करोड़ रुपए की 135 मेगावाट की ओपन-एक्सेस सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने के लिये तैयार है, जिसमें 2,000 रोज़गार सृजन की क्षमता है।
  - टस्को द्वारा **ललितपुर ज़िले** में 3,450 करोड़ रुपए की लागत से 600 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिससे 300 रोज़गार सृजन के अवसर उत्पन्न होंगे।
    - सूर्य ऊर्जा फोर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 150 करोड़ रुपए की लागत से 10-15 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की जाएगी, जिससे 200 लोगों के लिये रोज़गार सृजन के अवसर उत्पन्न होंगे।
  - अवाडा इंड सोलर प्राइवेट लिमिटेड 350 करोड़ रुपए की लागत से **बाँदा** में 750 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करेगी।
    - सनशयोर सोलर पार्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 62 करोड़ रुपए की लागत से 15 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना भी स्थापित की जा रही है।
  - चित्रकूट में टस्को लिमिटेड 4,700 करोड़ रुपए की लागत से 800 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करेगी। इससे 400 लोगों को रोज़गार के अवसर मिलेंगे।
    - श्री सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड 202 करोड़ रुपए का सोलर पावर प्लांट लगाएगी।
  - टस्को लिमिटेड **महोबा** में 1008 करोड़ रुपए की 155 मेगावाट की अर्जुन सागर फ्लोटिंग सोलर पावर परियोजना स्थापित कर रही है, जिससे 78 लोगों के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे।
    - IB वोग्ट सोलर फोर प्राइवेट लिमिटेड महोबा में 80 करोड़ रुपए की लागत से सौर ऊर्जा परियोजना भी स्थापित करेगी।
  - बुंदेलखंड क्षेत्र में कार्यान्वित की जा रही अन्य प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं:
    - रेलवे का LBH कोच प्रोजेक्ट और ट्रैक वर्क प्लांट 2,840 करोड़ रुपए का है।
    - **संत मां कर्म मानव संवर्धन समिति** द्वारा 501 करोड़ रुपए का एक निजी विश्वविद्यालय।
    - 30 करोड़ रुपए की पत्थर खनन परियोजना और 20 करोड़ रुपए की बंदूक प्रणोदक परियोजना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bundelkhand-to-become-new-power-house